DSSSB PRT, TGT & PGT
Part(A+B)
SCHOLAR BATCH
हिन्दी
विशेषण
02
LIVE 27-03-2024 09:00 AM

3. संख्यावाचक विशेषण – जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा की संख्या का बोध होता है। उसे संख्यावाचक विशेषण कहते है।

अथवा

जिन विशेषण शब्दों को हम गिन सकते हैं परन्तु नापतौल नही सकते उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते है।

संख्यावाचक विशेषण के दो भेद होते हैं-

(i). निश्चित संख्यावाचक विशेषण – जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा की निश्चित संख्या का बोध हो उन्हें निश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते है।

निश्चित संख्यावाचक विशेषण के छः भेद होते है।

- पूर्णांक बोधक
- अपूर्णांक बोधक

(पूर्णांक बोधक, अपूर्णांक बोधक → गणना बोधक)

- क्रम बोधक
- आवृत्ति बोधक
- समुदाय बोधक
- प्रत्येक बोधक

i. पूर्णांक बोधक – एक, दस, सौ, हजार, लाख, चार, पाँच आदि।

कक्षा में दस बच्चें है।

ii. अपूर्णांक बोधक – आधा, पौना, सवा, ढाई आदि।

घड़ी में पौन बजे है।

iii. क्रमवाचक – दूसरा, चौथा, गयारहवाँ, पचासवाँ, इक्कीसवाँ आदि।

मेरा प्रतियोगिता में तीसरा स्थान है।

iv. आवृत्तिवाचक – दुगुना, तिगुना, दसगुना, चौगुना, इकहरा, तिहरा आदि।

उसके पास दुगुना पैसा है।

v. समूहवाचक – तीनो, चारों, पाँचों, आठों, सातों, दोनों आदि

वह पाँचों भाई खुश है।

vi. प्रत्येक बोधक – प्रति, हरेक, एक – एक, हर दिन, हर वर्ष आदि।

दस-दस आदमी
पाँच-पाँच हाथी

(ii). अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण – जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा की अनिश्चित संख्या का बोध होता है उसे अनिश्चित संख्या वाचक विशेषण कहते हैं

जैसे - कुछ आदमी
बहुत पैसा
अनेक हाथी
बहुत पुस्तकें
कुछ कुर्सी
कई लोग

4. सार्वनामिक विशेषण – जब कोई सर्वनाम शब्द संज्ञा शब्द से पहले आकर विशेषण की तरह विशेषता प्रकट करता है। उसे सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।

वह आदमी नहीं आया।

वह → सार्वनामिक विशेषण

आदमी → संज्ञा

जैसे – यह घर मेरा है।

कोई लड़का खेल रहा है।

ऐसा आदमी नहीं देखा।

इस परीक्षार्थी ने नकल की है।

यह आदमी चोर है।

ये आदमी विश्वासी है।

तुलनात्मक विशेषण -3

(i)- मूलावस्था - किसी से तुलना न हो (करेला कड़वा है।)

(ii)- उत्तरावस्था - दो व्यक्तियों या वस्तुओं की तुलना (करेला नीम से कड़वा है।)

(iii)- उत्तमावस्था - सबसे तुलना हो। (करेला सबसे कड़वा है)

नोट - तुलनात्मक विशेषण की तीन अवस्थाएँ होती है।

1. **मूलावस्था** – इसमें विशेषणों का सामान्य प्रयोग होता है यहाँ किसी के साथ तुलना नहीं की जाती है।

जैसे – राम एक वीर बालक है।

नीम कड़वा है।

सीता एक सुन्दर कन्या है।

अंशु अच्छी लड़की है।

2. **उत्तरावस्था** – इसमें दो व्यक्तियों अथवा वस्तुओं की तुलना करके किसी एक कि न्यूनता अथवा अधिकता बताई जाती है।

जैसे – राम श्याम से अधिक सुन्दर है।

करेला नीम से कड़वा है।

अंशु आशु से अच्छी लड़की है।

3. उत्तमावस्था – इसमें दो से अधिक वस्तुओं या व्यक्तियों की तुलना की जाती है। इसमें एक की दूसरी सब वस्तुओं या व्यक्तियों से न्यूनता या अधिकता बताई जाती है।

जैसे – राम सबसे वीर है।

करेला सबसे कड़वा है।

अभिषेक कक्षा में सबसे सुन्दर है।

अंशु सबसे अच्छी है।

मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
उच्च	उच्चतर	उच्चतम
निम्न	निम्नतर	निम्नतम
सुन्दर	सुन्दरतर	सुन्दरतम
निकट	निकटतर	निकटतम
महान	महानतर	महानतम
लघु	लघुतर	लघुतम
अधिक	अधिकतर	अधिकतम

विशेष्य - विशेषण
विधान - वैधानिक
समाज - सामाजिक
विजय - विजयी , विजेता
वस्तु - वास्तविक
व्यक्ति - वैयक्तिक
संकेत - सांकेतिक
विकल्प - वैकल्पिक
शरण - शरणागत

स्मरण - स्मरणीय